Dr. R. N. Tiwari
Deptt. of Economics
A. N. D. College Shahpur Patory
B. A Degree II Economics Honours
Paper - IIIrd.
Date 20/7/2020
Name of Topic —

"IS और LM फलन – वस्तु और मुद्रा बाजारों का सामान्य संतुलन"

प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों के अनुसार आय का निर्धारण वास्तविक तत्वों जैसे – विनियोग (I) तथा बचत (S) द्वारा होता है केन्स का सिद्धांत आय निर्धारण में मौद्रिक चरों पर ही अधिक बल देता है केन्स के अनुसार आय का निर्धारण मुद्रा की माँग (L) तथा मुद्रा की पूर्ति (M) द्वारा प्रभावित होती है।

प्रो० हिक्स तथा प्रो० हैन्सन ने उपर्युक्त दोनों विचार-धाराओं का उचित समन्वय करके आय का निर्धारण का आधुनिक सिद्धान्त IS व LM मॉडल प्रस्तुत किया है।

हिक्स का मॉडल यह बतलाता है कि आय का निर्धारण के लिए वस्तु बाजार में संतुलन (I = S) स्थापित होना चाहिए और मुद्रा बाजार में संतुलन (L = M) द्वारा स्थापित होना चाहिए अत: हिक्सियन सिद्धांत या मॉडल कुल अर्थव्यवस्था का एक सामान्य संतुलन मॉडल प्रस्तुत करता है।

अब हम वस्तु बाजार व मुद्रा बाजार संतुलन को अलग-अलग अध्ययन करेंगे।

(1) वस्तु बाजार संतुलन
(The Product Market equilibrium)

वस्तु बाजार का संबंध उन आर्थिक क्रियाओं से होता है वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन और उपभोग से संबंधित होती है। विनि-योग आय उत्पन्न करनेवाला व्यय है इसी की सहायता से वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन होता है।

बाजार के संतुलन के लिए यह आवश्यक है कि विनियोग बचत के बराबर हो अत: वे सब तत्व जो बचत (S) विनियोग (I) को प्रभावित करते हैं। अत: बाजार के लिए हमारे पास तीन समीकरण हैं

Date

I = f(i) विनियोग फंक्शन है ब्याज दर का ---- (i)

S = f(Y) बचत फंक्शन है आय का ---- (ii)

(i) और (ii) समीकरणों से I = S ---- (iii)

वस्तु बाजार में संतुलन के लिए आवश्यक है कि विनियोग (I) और बचत (S) बराबर हों अर्थात I = S।

अतः IS वक्र वस्तु बाजार संतुलन को व्यक्त करता है यह ब्याज दरें और आय स्तरों के उन संयोगों को दर्शाता है जहाँ बचत और विनियोग में समानता होती है जो अर्थव्यवस्था का वस्तु बाजार संतुलन कहलाता है इसे वास्तविक क्षेत्र संतुलन भी कहते हैं।

रेखा चित्र में आय के विभिन्न स्तरों से संबंधित बचत रेखाओं को S_1Y_1, S_2Y_2, S_3Y_3, S_4Y_4 तथा S_5Y_5 द्वारा दर्शाया गया है। बचत के स्तर पर निर्भर करती है Y_1, Y_2, Y_3, Y_4 तथा आय Y_5 आय के बढ़ते हुए विभिन्न स्तरों को व्यक्त करते हैं। आय बढ़ने के साथ-साथ बचत बढ़ती है इसलिए बचत रेखाएँ S_1Y_1, S_2Y_2 इत्यादि दाहिने ओर खिसकती है जो यह स्पष्ट करती है कि आय में वृद्धि होने से बचतें अधिक होंगी।

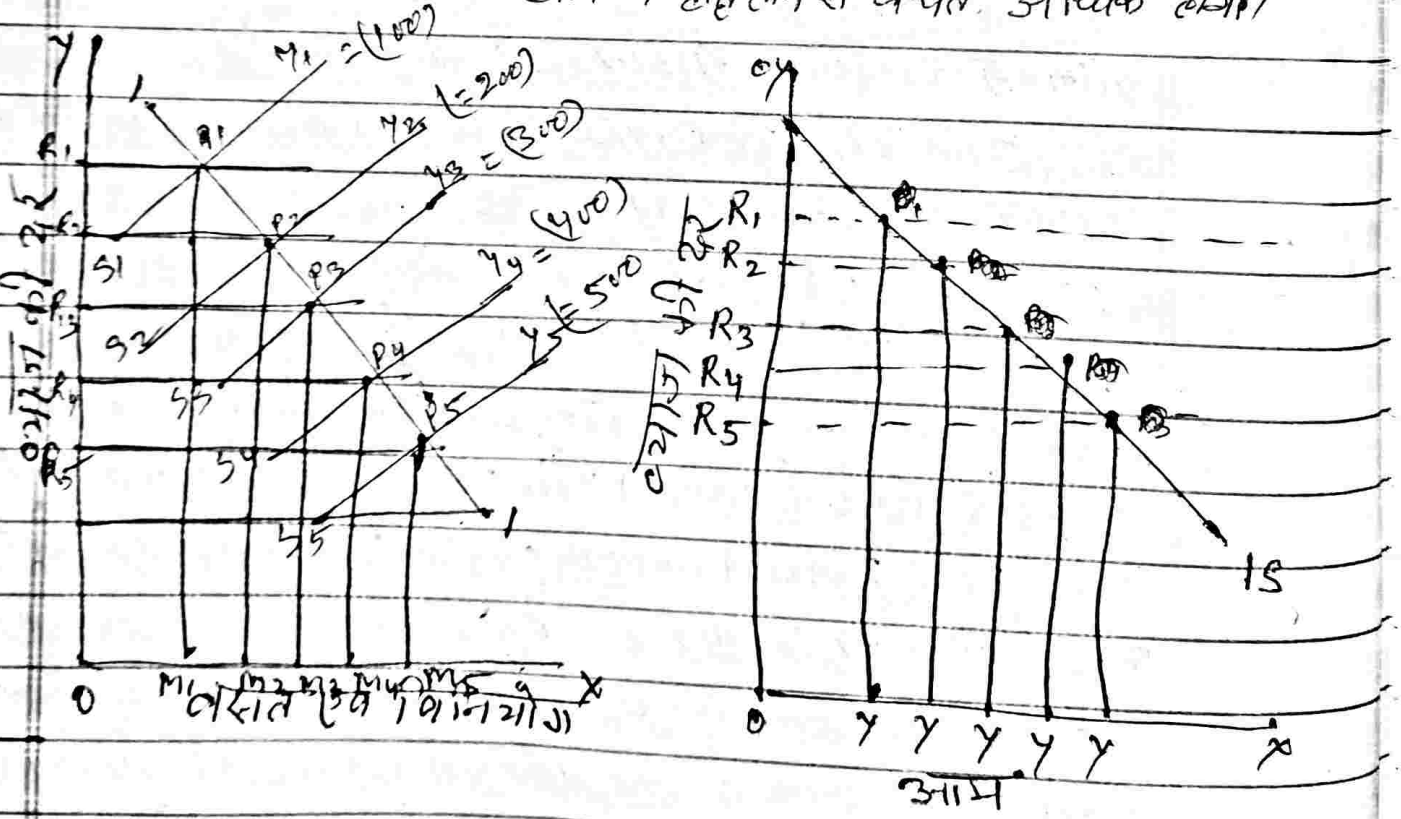

चित्र 12.1

(ii) Y_1 विनियोग रेखा है। चित्र में SY_1 तथा विनियोग रेखा (II) को P_1 बिन्दु पर काटती है फलस्वरूप ब्याज दर P_1M_1 अर्थात R_1 होगी। इसका अर्थ है कि जब आय का स्तर Y_1 है ब्याज दर को R_1 है तो बचत और विनियोग में समानता प्राप्त होती है क्योंकि दोनो में से प्रत्येक OM_1 है। दूसरे शब्दों में Y_1 आय के स्तर पर P_1M_1 या R_1 ब्याज भी वह संतुलन दर है जो विनियोग के बीच समानता स्थापित करती है अर्थात किस दर पर वस्तु बाजार संतुलन में है।

(2) मुद्रा बाजार में संतुलन
(The money Market equlibrium)

मुद्रा बाजार का संबंध उन आर्थिक क्रियाओं से होता है जिनका संबंध नकदी अर्थात तरल सम्पत्ति के लिए मुद्रा की माँग और मुद्रा की पूर्ति से होता है यदि मुद्रा की माँग को L द्वारा मुद्रा की पूर्ति को M द्वारा बताया जाय तो मुद्रा बाजार में संतुलन के लिए $L=M$ को होना चाहिए। मुद्रा की कुल माँग $L=Lt+Ls$ के है। जहाँ Lt मुद्रा का सौदा उद्देश्य व सातर्कता उद्देश्य की माँग और मुद्रा की सट्टा उद्देश्य के लिए माँग

चित्र (1) में आय के 100 करोड़ रु० 200 करोड़ रु० तथा 300 व 500 करोड़ रु० स्तरों पर क्रमशः L_1Y_1, L_2Y_2, L_3Y_3, L_4Y_4, L_5Y_5 तरलता अधिमान वक्रों का एक समूह खींचा गया है।

चित्र (2) में

OM मुद्रा की वास्तव मात्रा दी गयी है। मुद्रा की पूर्ति पूर्णतः बेलोचदार है इसलिए पूर्ति रेखा वक्र को खड़ी रेखा MQ द्वारा दर्शाया गया है।

(iii) इस प्रकार आय के विभिन्न स्तरों L_1Y_1, L_2Y_2, L_3Y_3, L_4Y_4, L_5Y_5 मुद्रा की माँग वक्र है। जो मुद्रा की पूर्ति बेलोचदार वक्र MQ के साथ मिलकर हमें LM वक्र प्रदान करते हैं। अतः LM वक्र में बिन्दुओं की एक श्रृंखला होती है। जिस पर प्रत्येक बिन्दु ब्याज-आय स्तर को

व्यक्त करता है जहाँ मुद्रा की माँग (M) मुद्रा की पूर्ति (L) के बराबर होती है

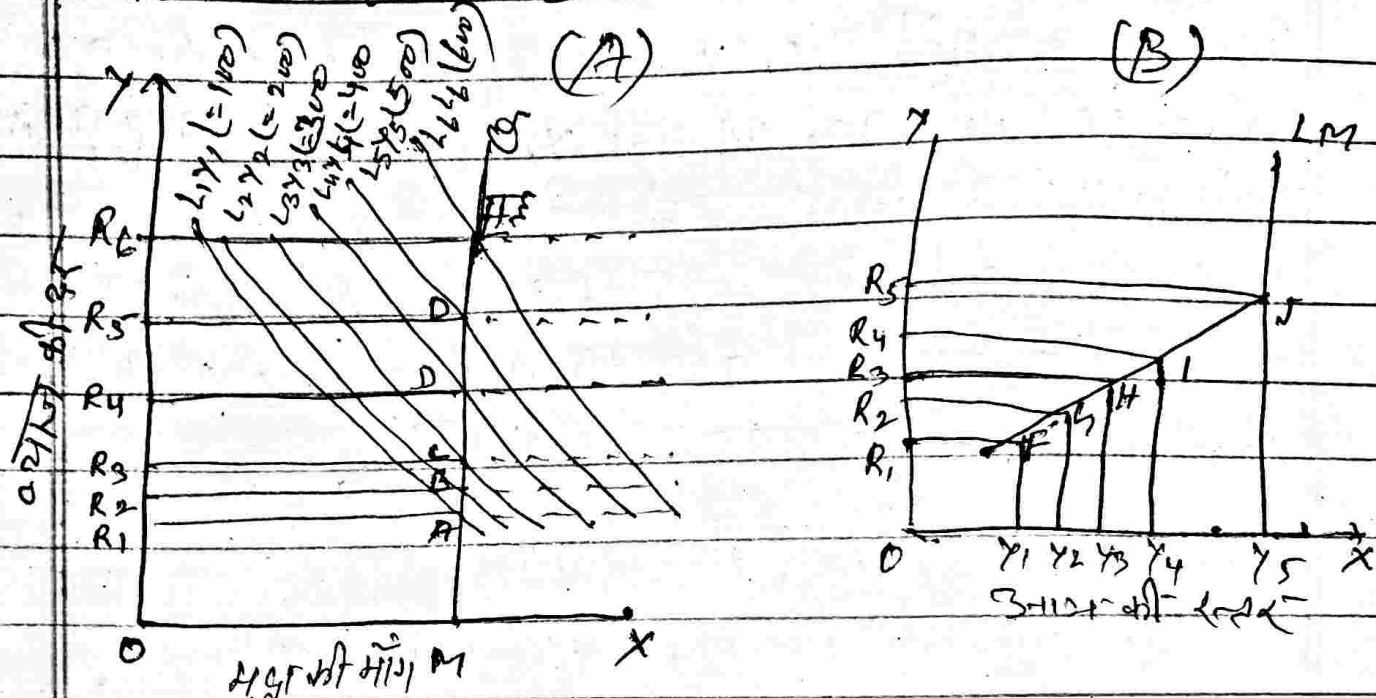

LM रेखा ब्याज दरों तथा वास्तविक आय स्तरों के उन सब संयोगों को दर्शाता है जिन पर कि मुद्रा की पूर्ति (M) बराबर होती है मुद्रा की माँग L के

Lecture No - 60 Dr. R.N. Tiwari
B.A. Degree II Economics, Honourse. Deptt of Economics.
Paper - IIIrd A.N.D. College, Shahpur, Patory
Dated - 20/7/2020